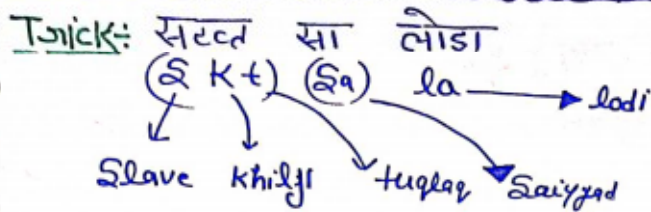


CLASS → (3) दिल्ली सल्तनत (खिलजी/तुगलक/लोदी वंश) Part-2



→ मोहम्मद बिन कासिम 712 ई. में भारत में आक्रमण करने वाला पहला आक्रमण-कर्मी था। → सिंध प्रांत में उसने आक्रमण किया था

→ फिर महमूद गजनवी आया और उसने 17 आक्रमण किए (16वां → सोमनाथ वाला)

→ फिर मोहम्मद गौरी आया जिसने 1191 ई. में तराइन का प्रथम युद्ध व तराइन का दूसरा युद्ध 1192 ई. में लड़ा। और दूसरे तराइन युद्ध को जीता।

→ फिर उसके गुलाम और दामाद कुतुबुद्दीन ऐबक ने गुलाम वंश की स्थापना की, चोंगाव या पोलो खेलते समय उसकी सृष्टि हो गयी थी।

→ कुतुबुद्दीन ऐबक ने → कुत्बत उल इस्लाम ये कुद्व स्थापत्य बनवाया।
→ अठारह दिन का शोपड़ा (Architecture)

→ कुतुबुद्दीन ऐबक ने ही कुतुबमीनार का निर्माण शुरू करवाया जिसको Complete करवाया इसी के गुलाम और दामाद → इल्तुतमिश ने

- → 73 मीटर लम्बी
- → 5 मंजिल इमारत है
- → tower of Victory कहते हैं

→ फिर रजिया आयी जो इल्तुतमिश की बेटी थी; वह मध्यकालीन भारत की एकमात्र महिला शासिका थी।

→ अल्तुनिया के साथ रजिया का विवाह हुआ; खोखर जनजाति ने इन दोनों की हत्या कर दी थी जब ये दिल्ली लौट रही थी अल्तुनिया के साथ।

→ फिर छोटे-छोटे शासक (Rulers) आए फिर actual में बलवन ने यहाँ पर शासन स्थापन किया।

→ बलवन के बाद आता है दिल्ली सल्तनत के गुलाम वंश का अंतिम शासक → कैकुवाद (बलवन का पोता (Successor) था)

* खिलजी वंश (1290-1320 ई. तक) *

जलालुद्दीन खिलजी (1290-1296 ई. तक) :-

- ▶ जलालुद्दीन खिलजी ही खिलजी वंश का संस्थापक था।
- ▶ जलालुद्दीन खिलजी का भतीजा और दामाद था → अलाउद्दीन खिलजी जिसने 1296 से 1316 तक शासन किया।

अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई. तक) :- (Imp.)

- ▶ महत्वपूर्ण शासकों में से एक माना जाता है → अलाउद्दीन खिलजी को
- ▶ अलाउद्दीन खिलजी ने ही जलालुद्दीन खिलजी की हत्या कर दी थी और खुद गद्दी (सिंहासन) पर बैठ गया।

अलाउद्दीन का साम्राज्यवाद (Alauddin's Imperialism)

- ▶ अलाउद्दीन खिलजी बहुत सारे राज्यों (States) पर कब्जा (Annexed) करने के लिए जाना जाता है।
- ▶ इसीलिए इसे One of the greatest rulers बोलते हैं क्योंकि इसने दक्षिण भारत तक cover किया था यानि जीता था।
- ▶ सबसे पहला अभियान (Expedition) किया → गुजरात में (1298 ई. में) और कब्जा किया गुजरात में

जो येका
आयेगे उनको
याद करने की
जरूरत
नहीं

- दूसरा अभियान (2nd expedition) → रणथम्बोर में (1301 ई. में)
- तीसरा अभियान → मेवाड़ में (1303 ई. में)
↳ राजधानी: चित्तौड़

▶ Note: 'पदमावत' पुस्तक को लिखा → 'मलिक मोहम्मद जायसी' ने

- ये लगभग यहाँ से 200 साल बाद झेरशाह सूरी के time पर लिखी गयी थी।
- इतिहासकार मानते हैं जब अलाउद्दीन खिलजी ने आक्रमण किया मेवाड़ पर तो वहाँ के राजा रतनसिंह ने हर पहले ही मान ली थी।

• चौथा अभियान किया → मालवा में (1305 ई. में)

• पांचवा अभियान किया → जालोर में (1311 ई. में)

केवल कृष्ण
ध्यान रखें
शिवरत्नी
जलरत्नी
नहीं

→ अलाउद्दीन खिलजी जाना जाता है अपने साम्राज्यवाद के लिए (दक्षिण भारत में)

→ दक्षिण भारत में इसने अभियान किए।

→ दक्कन में अलाउद्दीन खिलजी की सेना का नेतृत्व किया (led by) मलिक काफूर ने

- * ये एक तरीके से हिजड़ा (Lunatic) था
- * इसमें काफी ज्यादा सैन्य मृत्यु के गणों को देखा गया
- * दक्षिण में अलाउद्दीन ने जितने भी अभियान किए वो इसी के नेतृत्व में हुए थे (अलाउद्दीन तो दिल्ली में ही बैठा) (चिन्ताई में दोनों गए थे) लेकिन दक्षिण भारत में मलिक काफूर ही lead कर रहा था।

मलिक काफूर ने हराया :-

(इन सबको रटने की जरूरत नहीं)

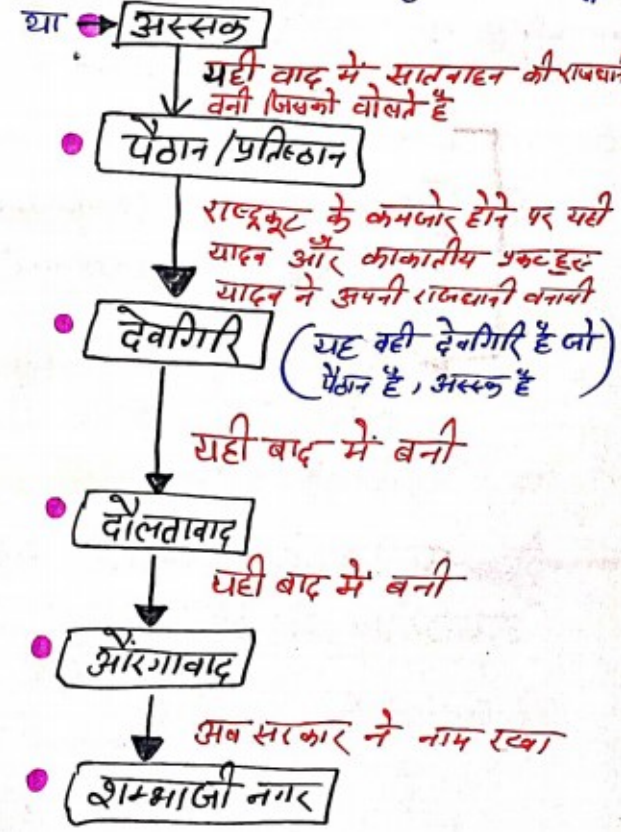
- रामचंद्र (देवगिरि के यादव शासक)
- फिर प्रतापरुद्रदेव (वारंगल के काकातीय शासक)
- फिर वीर भल्लाल III (दृवास्समुद्र के होयसल शासक)
- फिर वीर पांड्य (मदुरई के पांड्य शासक) को हराया।

→ 10000 दिनार दैके अलाउद्दीन खिलजी ने मलिक काफूर को गुजरात के अभियान के दौरान गुलामी के बाजार से खरीदा था इसको (मलिक काफूर को)

→ इसीलिए मलिक काफूर को हजार दिनारी के नाम से भी जाना है

→ अलाउद्दीन खिलजी ने दक्कन पर (दक्षिण भारत के) शासन बना लिया तो इसने सिकन्दर-ए-सैनी की उपाधि ली।

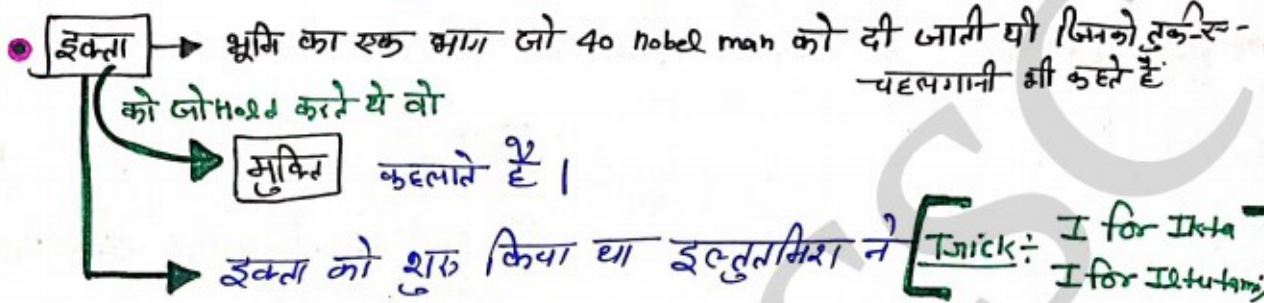
सबसे Southern most kingdom (मल्लप्रभु में)



* अलाउद्दीन खिलजी के प्रशासनिक सुधार (Administrative Reforms) *

अलाउद्दीन खिलजी ने **दाग** (घोड़ों को दागना) और **चैहरा/हुलिया** (सैनिकों की वणितात्मक सूची) की प्रणाली (प्रथा) शुरू की।

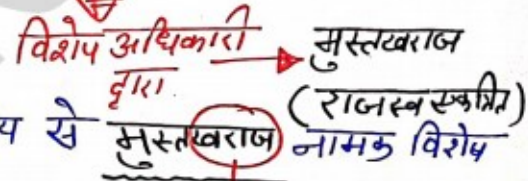
ठुप्पा (घोड़ों पर)



अलाउद्दीन ने आदेश दिया कि सभी भूमि को साफ़ जार और फिर राज्य का हिस्सा तय किया जाए

अलाउद्दीन ने भारी कर (Heavy tax) लगाए

राजस्व संग्रहण (Collection of Revenue) के उद्देश्य से मुस्तखराज अधिकारी का पद सृजित किया गया था।



अलाउद्दीन ने 3 प्रकार के कर लगाए थे।

type of tax
(कर का एक प्रकार जो उपज करने वालों को देना होता था)

- ① **जजिया** → Non-muslims (गैर मुसलमानों) पर लगाया था।
- ② **घरई** → House tax (निवास कर)
- ③ **चरई** → Pastoral tax (चरवाह कर)

जजिया कर को सबसे पहले मोहम्मद बिन कासिम ने केवल सिंध प्रांत में लगाया था **जकात कर** → ये धनी मुसलमानों पर लगाया था

काफिर (non-muslims) पर

अलाउद्दीन खिलजी अपने बाजार नियंत्रण के लिए बहुत जाना जाता है। अलाउद्दीन ने दिल्ली में तीन बाजार स्थापित किए:

- एक बाजार → खाद्यान्न के लिए
- दूसरा → महंगे कपड़ों के लिए
- और तीसरा → घोड़ों, दासों और मवेशियों के लिए

बहुत बड़ी संख्या में सेना रख रखी थी इसने लगभग 2.5 लाख की army

→ प्रत्येक बाजार शाहना नामक एक उच्च अधिकारी के नियंत्रण में था जो व्यापारियों का एक रजिस्टर रखता था और दुकानदारों और कीमतों पर सख्ती से नियंत्रण करता था।
(रखता)

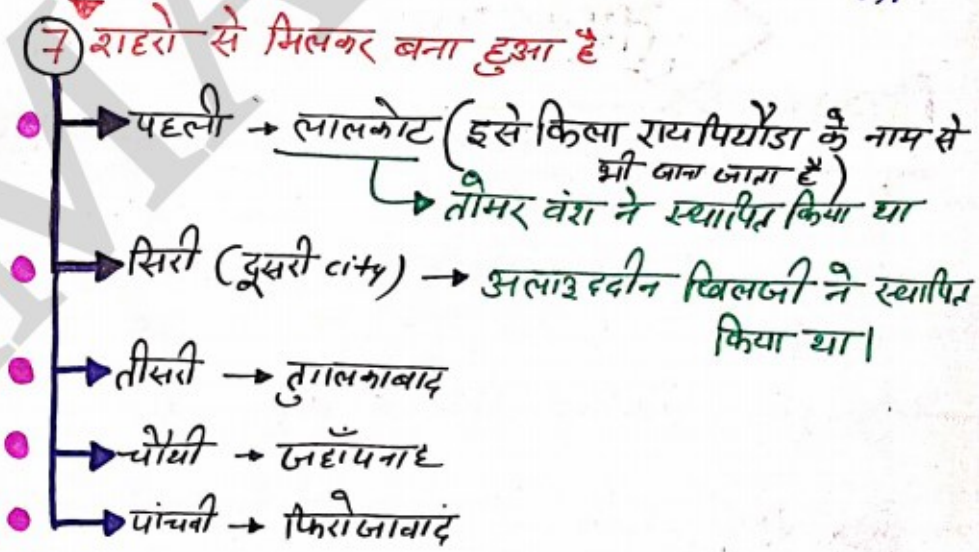
→ बाजार पर नजर दो अधिकारियों → दीवान-ए-रियासत और शाहना-ए-मंडी द्वारा रखी जाती थी।

→ बिक्री के लिए सारा सामान सारा-ए-अदल नामक खुले बाजार में लाया जाता था। यानि वहाँ सामान Howad (इकठठा) करके नहीं रख सकता था।

* Architecture (स्थापत्य) *

→ अलाउद्दीन खिलजी द्वारा कई किले बनवाए गए और उनमें से सबसे महत्वपूर्ण अलाई किला था। उन्होंने कुतुबमीनार के पवेश द्वार अलाई दरवाजा का भी निर्माण कराया। अलाउद्दीन खिलजी ने हजार खंभों का महल भी बनवाया जिसे "हजार स्तूनों" कहा जाता है।
(दिल्ली में)

→ अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली के दूसरे (2nd city) शहर → 'सिरी' की स्थापना की



→ अलाउद्दीन खिलजी ने हौज खास (पानी का टैंक) बनवाया → दिल्ली के दक्षिण में

→ अलाउद्दीन का मकबरा (tomb) → दिल्ली

→ अलाउद्दीन खिलजी कला और विद्या (art and learning) के संरक्षक थे।

→ कवि-संगीतकार अमीर खुसरो और उनके पसंदीदा दरवारी कवि थे।

- तीरी-ए-हिन्द (Purport of India) बोला जाता है।
- भारत में कव्वाली शुरू करने का ज़ेदी इस्ती को धारा है।
- रानी ने अलाउद्दीन को सुल्तान-ए-जहाँ की उपाधि दी थी।

→ 1316 में, अलाउद्दीन की मृत्यु के बाद, मलिक काफूर, जिसे हजारदिनारी कहा जाता है, ने सिंहासन पर कब्जा (Seized) किया। लेकिन 35 दिन ही रह पाया था। हत्या कर दी गयी थी इसकी।

मुबारक खान (1316-1320 ई. तक) :-

- मलिक काफूर की मृत्यु के बाद, अलाउद्दीन खिलजी का बड़ा बेटा मुबारक खान आता है → (1316 ई. में)
- मुबारक खान खुसरो खान से प्रेम करता था लेकिन खुसरो खान ने मुबारक खान को मार डाला और खुद सिंहासन पर बैठ गया।

खुसरो खान (1320 ई.) :-

- ये कमजोर शासक था और ये मारा गया → ग़ियासुद्दीन तुगलक द्वारा
↓
गाजी मलिक की कूटनीति

तुगलक वंश (1320-1414 ई. तक)

ग़ियासुद्दीन तुगलक :- (1320-1325 ई. तक) :-

- खिलजी वंश के अंतिम राजा खुसरो खान की गाजी मलिक ने हत्या कर दी थी। गाजी मलिक ग़ियासुद्दीन तुगलक की उपाधि धारण करके सिंहासन पर बैठा।
- तुगलक वंश का संस्थापक है।
- एक दुर्घटना में ग़ियासुद्दीन तुगलक की मृत्यु हो गयी और उनके बेटे जौना (उलुग खान) ने मोहम्मद बिन तुगलक की उपाधि के साथ उनका उत्तराधिकारी बना।

मोहम्मद बिन तुगलक :- (1325-1351 ई. तक) :-

- मोहम्मद बिन तुगलक के समय के दौरान यात्री आया → इहान-वट्टा (मौरवों से)
- मोहम्मद " " " " लेवक → ग़ियासुद्दीन खरनी
- लिखा :- तारिख र फ़िरोज शाह और तारीख में - जंदाहरी
- मोहम्मद बिन तुगलक सिंध प्रांत में गया था तो थरु नामक जगह पर इसकी मृत्यु हो गयी थी तो वही सिंध प्रांत में इसकी कब्र है

- मोहम्मद बिन तुगलक को सबसे बुद्धिमान मूर्ख (wisest fool) के नाम से जाना जाता है।
- दोआब में कराधान (1326 में) लगाया। क्योंकि कुछ गलत कदम उठाये जाने से राजकोष खाली होता जा रहा था।
↳ land between two rivers
- 1327 में राजधानी का स्थानांतरण → दिल्ली से दौलताबाद/देवगिरि किया।
इसी को कुदरे
- मोहम्मद बिन तुगलक ने खुरासान अभियान (expedition) का प्रस्ताव रखा। (1329 में)
- कराचिल अभियान (1330 में) किया। असफल रहा → बर्फ पड़ने के कारण
- सांकेतिक मुद्रा (token currency) का परिचय दिया (1329) → उच्च मूल्य वाली कांस्य मुद्रा

फिरोजशाह तुगलक (1351-1388 ई. तक) *

- मुहम्मद बिन तुगलक का Cousin था।
- सैनिकों को नगद भुगतान नहीं किया जाता था, बल्कि गाँवों के भू-राजस्व (वज्रहा) पर असाइनमेंट द्वारा भुगतान किया जाता था।
↳ गाँवों को वज्रहा बोला जाता था।
- फिरोजशाह के समय में ही जजिया एक अलग कर बन गया।
- कराधान की नई प्रणाली कुरान के अनुसार थी। कुरान द्वारा स्वीकृत 4 प्रकार के कर लगाए गए। ये कर थे → खराज, जकात, जजिया और खम्स
- खराज भूमि कर था, जो भूमि की उपज के $\frac{1}{10}$ के बराबर था, जकात संपत्ति पर 2% कर था; जजिया गैरमुसलमानों पर लगाया जाता था और खम्स युद्ध के दौरान पकड़ी गयी लूट का $\frac{1}{5}$ था।
- फिरोजशाह तुगलक ने कई नहरों की मरम्मत की और हक-ए-शर्ब या हासिल-ए-शर्ब लगाया।
(water tax)
- वह एक महान निर्माता था। फतेहाबाद, हिसार, जौनपुर और फिरोजपुर शहर उसके श्रेय के लिए हैं।
↓
जौनपुर (MBT) के नाम पर

→ सुल्तान ने दिल्ली में दार-उल-शिफा नामक एक अस्पताल की स्थापना की।
→ गरीब लड़कियों की शादी के लिए प्रावधान करने के लिए "दीवान-ए-खैरात" का एक नया विभाग स्थापित किया गया था।

→ इसका प्रधानमंत्री था → "द्वान-ए-जहाँ-मकबूल"

→ इकता व्यवस्था को वंशागत बना दिया फिरोज़शाह तुगलक ने।

तैमूर आक्रमण (Taimur Invasion) :-

→ तैमूर आक्रमण → 1398 में
Mangloid था

→ इस समय तुगलक वंश का अंतिम शासक "मुहम्मद शाह तुगलक" शासन कर रहा था।

→ तैमूर का Military Commander भारत में ही रुक गया तो उसने ही शासन करना चाँहू किया।

सैयद वंश (1414-1450 ई तक)

① खिज़्र खां (1414-1421 ई. तक) → संस्थापक

② मुबारक शाह (1421-1434 ई. तक)

③ मुहम्मद शाह (1434-1443 ई. तक)

④ आलम शाह (1443-1451 ई. तक)

[इन सबके कोई Question नहीं पूरा जाया]

लोदी वंश (1451-1526)

→ दिल्ली सल्तनत का अंतिम वंश

→ संस्थापक = बहलोल लोदी

बहलोल लोदी (1451-1488) :-

→ बहलोल लोदी अफगान सरदारों में से एक था। उसने तैमूर के आक्रमण के बाद पंजाब में स्वयं को स्थापित कर लिया था।

सिकंदर लोदी (1489-1517):



- बदलौल लोदी का बेटा है
- सिकंदर लोदी ने राजधानी दिल्ली से आगरा में स्थानांतरित कर दी, जो उन्हीं के द्वारा स्थापित शहर था।
- सिकंदर लोदी ने कृषि के विकास में गहरी रुचि ली। इन्होंने खेती वाले खेतों को मापने के लिए 32 अंकों की **राज-र-सिकंदरी** (सिकंदर का यार्ड) की शुरुआत की।
- वह एक कवि थे और फारसी में 'गुलरुखी' उपनाम से कविताएँ लिखते थे।

अलाउद्दीन खिलजी जाफ़रीया का पुन्यल्प किया था उन जाफ़रीयो को **मुनैया** कहते थे

- इसने "मोठ की मस्जिद" बनाने का आदेश दिया।
 ↳ दो गुम्बद वाली संरचना (Double dome structure) **gmb.**

इब्राहिम लोदी (1527-1526):

- सिकंदर लोदी का बेटा है।
- इब्राहिम लोदी ने 1526 में बाबर के साथ पानीपत का युद्ध लड़ा।
 ↳ के दुश्मन → दौलत खान (इन्हीं के चान्चा पंजाब प्रांत में शासन)
- दौलत खान ने बाबर को Invite किया कि आओ और इब्राहिम लोदी को सारा
- दिल्ली सल्तनत का अंत होता है, क्योंकि बाबर ने दौलत खान को भी मार डाला था।

* केंद्रीय प्रशासन *

- | | |
|--|---|
| ● दीवान ए विचारत → वित्त विभाग | ● दीवान ए - बंदगान → गुलामों का विभाग |
| ● दीवान ए अर्ज → सैन्य विभाग (बलबन) | ● दीवान - ए - खैरात → दान विभाग |
| ● दीवान - ए - इंशा → पत्राचार विभाग | ↳ फिरोजशाह हुगल (FSA) |
| ● दीवान ए रिसालत → अपील विभाग | ● दीवान - ए - इरिब्याक → पेशान विभाग |
| ● दीवान ए मुश्तखराज → वकाफ विभाग (Dep. of Auzar) | (अलाउद्दीन खिलजी) |
| ● दीवान ए मोही → कृषि विभाग (M.B.T) ने शुरु किया | ↳ छत्रगुमीनार की चौथी मंजिल 5वीं मंजिल तक नहीं FSA ने |